केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 11 मंगलवार 30 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

45 छात्रों में टैबलेट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सभासद परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू' ने कृष्ण धर्मेन्द्र आई.टी.आई. खखुआ सोनूपार और कृष्णा आई.टी.आई. बनकटी के 45 छात्रों में टैबलेट का वितरण किया। कहा कि संचार के युग में टैबलेट का प्रयोग कर छात्र बेहतर तकनीकी शिक्षा हासिल करने के साथ ही इसका शिक्षा क्षेत्र में बहु आयामी उपयोग कर सकेंगे। कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा को सबल बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है।

कृष्ण धर्मेन्द्र आई.टी.आई. खखुआ सोनूपार रमेश चन्द्र शर्मा और कृष्णा आई.टी.आई. बनकटी के प्रधानाचार्य शुभम शुक्ल ने बताया कि छात्रों को विभिन्न ट्रेडों में बेहतर तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। छात्रों को जब टैबलेट मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

मुख्य रूप से प्रबन्धक अतुल कुमार शुक्ल के साथ ही आकाश विश्वकर्मा, अंकित पाण्डेय, अवधेश मिश्रा, नेहा यादव, पूर्णिमा कुमारी, अंकुश शर्मा, अजय यादव, योगेन्द्र प्रसाद, ऐकांश, छोटेलाल आदि को टैबलेट दिया गया। टैबलेट वितरण के दौरान मुख्य रूप से पवन शुक्ल, हरि प्रकाश पाण्डेय, सर्वेश मिश्रा, आदित्य भट्ट, राजेश विश्वकर्मा, मनीष कुमार, मधुबाला आदि ने योगदान दिया।

शैक्षिक संगोष्ठी में विमर्श

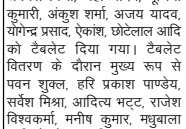

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ पर जिला बेसिक अधिकारी सभागार में एक शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता बीएसए अनूप कुमार ने किया।

संगोष्ठी में जिला समन्वयक, एसआरजी व एआरपी शामिल हुए।

इस अवसर पर बीएसए अनूप कुमार ने एनईपी 2020 के अंतर्गत हो रहे बदलावों पर बोलते हुए कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति विकसित भारत के लिए योग्य ग्लोबल नागरिक तैयार करने का कार्य कर रही है। उन्होंने शिक्षा सप्ताह के दौरान किए शिक्षा सप्ताह के अंर्तगत की गई गतिविधियों की चर्चा करते हुए प्रतिभागियों से फीडबैक लिए।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त प्रधानाध्यापक तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्टीयरिंग कमेटी उ.प्र. के सदस्य डॉ सर्वेन्द्र मिश्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 20200और शिक्षा सप्ताह पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक प्रशिक्षण स्वन्दिल श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक सुनील त्रिपाठी, राजेश प्रजापति, अमित सोनी, सिद्धांत प्रजापति एआरपी अनिल पांडेय, अंबिका पांडे, अजय श्रीवास्तव, रमेश शुक्ला, अजय पांडेय, लक्षण गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

पंडित शिवदर्ष उपाध्याय की पुण्यतिथि 31 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।पूर्वांचल के मालवीय के नाम से सुविख्यात एवं जनपद बस्ती में कई शिक्षण संस्थाओं के संस्थापक पण्डित शिवदर्ष उपाध्याय जी की 44वी पुण्य तिथि 31 जुलाई 2024 को प्रातः 8 बजे शिवदर्ष किसान पी जी कॉलेज बस्ती के प्रांगण में स्थिति उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धा सुमन अर्पित कर मनाई जाएगी.

नए किस्म के चक्रव्यूह में फंसा है देश

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि इस बजट में चंद पूंजीपतियों के एकाधिकार और लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने वाले राजनीतिक एकाधिकार को मजबूती प्रदान की गई है, जबकि युवाओं, किसानों तथा मध्य वर्ग को नजरअंदाज कर दिया गया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आने पर जाति आधारित जनगणना कराएगा और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी देगा। नेता प्रतिपक्ष ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, ''हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में छह लोगों ने फंसा कर मारा था...चक्रव्यूह का दूसरा नाम है– 'पद्मव्यूह', जो कमल के फूल के आकार का होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है।''

उन्होंने दावा किया, ''अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर छह लोगों ने मारा था, उनके नाम द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, कृतवर्मा और शकुनी हैं। आज भी चक्रव्यूह रचने वाले छह लोग हैं।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा चार और लोगों (प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, अडानी और अंबानी) का नाम लिया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपत्ति जताई।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव के नाम से पंजीकृत हो गई डबल डेकर की 5 बसें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उ.प्र. कांग्रेस कमेटी आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश महासचिव एवं गोरखपुर– बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को रजिस्टर्ड पत्र देकर उनके नाम से दर्ज डबल डेकर स्लीपर बस यू.पी. 51 ए.टी. 6641, 7061, 7370, 7660 और 7661 का पंजीयन निरस्त किये जाने की मांग किया है।

डीएम को भेजे पत्र में कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा है कि उनके नाम व पते से षड़यंत्रपूर्वक पूर्व एआरटीओ अरूण प्रकाश चौबे के कार्यकाल में निजी वाहन चालक सुरेन्द्र चौरसिया, भरत यादव, सन्तोष तिवारी और राम सजीवन ने डबल डेकर स्लीपर बस यू.पी. 51 ए.टी. 6641, 7061, 7370, 7660 और 7661 का पंजीयन उनके नाम और पते पर कर दिया। जब उन्हें इसकी सूचना मिली तो आर.टी.ओ. प्रशासन, कोतवाली पुलिस और पुलिस अधीक्षक समेत विभागीय अधिकारियों को दो वर्ष पूर्व ही इसकी सूचना दिया किन्तु अभी तक उनके नाम व पते से पंजीयन निरस्त नही किया गया है।

पत्र में कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा है उक्त वाहनों से यदि कोई घटना होगी तो वे इसके जिम्मेदार नहीं होंगे। डबल डेकर बसें प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के संरक्षण में बिहार से दिल्ली तक चलवायी जा रही है। विभागीय अधिकारियो ने उक्त वाहनों के मालिकों से पूछताछ तक जरूरी नहीं समझा। उन्होने चेतावनी के लहजे में कहा है कि यदि उनके नाम से डबल डेकर स्लीपर बस यू.पी. 51 ए.टी. 6641, 7061, 7370, 7660 और 7661 का पंजीयन शीघ्र निरस्त न हुआ तो वे आन्दोलन करने को बाध्य होंगे, इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन, प्रशासन की होगी।

-पंजीकरण निरस्त कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांगः दिया आन्दोलन की चेतावनी

पेड़ वाले बाबा ने रोपे पपीते के पौधे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पेड़ वाले बाबा के नाम से लोकप्रिय पर्यावरण प्रेमी गौहर अली द्वारा पौधरोपण का अभियान चरणबद्ध ढंग से जारी है। पिपरा गौतम–बेलाड़ी मार्ग पर स्थित राम कृष्ण मिशन में पौधरोपण के बाद हर्रैया तहसील क्षेत्र के अपने गांव भदावल स्थित मिनी बूटेनिकल गार्डेन में पपीते के 100 पौधे लगाये।

पेड़ वाले बाबा प्रेमी गौहर अली ने बताया कि बूटेनिकल गार्डेन में 200 से अधिक पौधे अपना आकार ले चुके हैं और वे शीघ्र छाया देगा। यहां लगभग सभी प्रकार के पौधे रोपे गये हैं। कहा कि पपीते के पौधे शीघ्र फल देने लगते हैं, इससे स्थानीय लोगों को सहजता से पपीता खाने का लाभ मिलेगा।

पौधरोपण में पेड़ वाले बाबा प्रेमी गौहर अली के साथ मो. शमीम, शमीउल्लाह ने योगदान दिया।

कोटा चयन प्रक्रिया पर उठाया सवाल, निरस्त करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गौर विकास खण्ड क्षेत्र के सोनवलिया निवासी रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत आमा भुइलापार में नियम विरूद्ध ढंग से राशन कोटा आरती श्रीवास्तव पत्नी अविनाश कुमार श्रीवास्तव के नाम कर दिये जाने पर रोष व्यक्त करते हुये उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जिला पूर्ति अधिकारी, जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त आदि को पत्र भेजकर उक्त कोटे को निरस्त कर नये सिरे से चयन कराने की मांग किया है। रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पत्र भेजकर कहा है कि इस प्रकरण को जिलाधिकारी को कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में ग्राम पंचायत आमा भुइलापार के ग्राम सोनवलिया निवासी रमेश चद्र श्रीवास्तव ने कहा है कि खण्ड विकास अधिकारी गौर एवं पूर्ति निरीक्षक हर्रैया ने ग्राम प्रधान से मिलीभगत कर राशन कोटा तथ्यों को छिपाकर आरती श्रीवास्तव के नाम करा दिया। बैठक में पूरा प्रस्ताव भी नहीं लिखा गया। उन्होने मांग किया है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर चयनित कोटा निरस्त कर नये सिरे से नियमानुसार राशन कोटा चयन कराया जाय।

ऊर्जा मंत्री के बयान पर विधानसभा में हंगामा

लखनऊ (आभा)। विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को बिजली आपूर्ति की बदहाली पर चर्चा कराए जाने की मांग नहीं माने जाने और ऊर्जा मंत्री के बयान के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने आसन के निकट जमकर हंगामा तथा प्रदर्शन किया और सदन से बहिर्गमन कर गए। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने प्रश्नकाल के बाद सदन में बिजली बिल वसूली को लेकर विभागीय अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं और किसानों के कथित उत्पीड़न की शिकायत के जवाब में कहा कि कल ही मैं बलिया गया था, एक शिकायत आयी तो मैंने एक 'यादव जी' को निलंबित कर दिया। एक व्यक्ति से धनराशि मांगने का मामला आया था तभी 'यादव जी' को निलंबित किया।

शर्मा के 'यादव' शब्द बोलने पर हस्तक्षेप करते हुए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि मंत्री ने कई बातों का समुचित उत्तर नहीं दिया। मंत्री ने यह नहीं कहा कि 'इंजीनियर' को सस्पेंड किया, बल्कि यह कहा कि 'यादव' को सस्पेंड कर दिया, इस सदन की कार्यवाही से निकाला जाए। अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि 'यादव' हो या श्महाना कोई गलती करेगा तो निलंबित किया जाएगा। इसके बाद सपा सदस्य मंत्री शर्मा पर माफी मांगने का दबाव बनाते हुए अध्यक्ष के आसन के निकट आकर नारेबाजी करने लगे–'बिजली–पानी दे न सके जो वो सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।' अध्यक्ष महाना ने बार–बार अनुरोध किया कि सदस्य अपनी सीट पर चले जाएं लेकिन वे लोग चर्चा कराए जाने की मांग पर अड़े रहे। चर्चा कराये जाने की मांग पूरी न होने पर सपा सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने मानसून सत्र में उठाया आशा बहुओ के मानदेय का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने मानसून सत्र में तारांकित प्रश्न के रूप में आशा बहुओ के मानदेय का मुद्दा उठाया। उन्होने पूंछा कि क्या प्रदेश सरकार आशा बहुओ के मानदेय को बढाये जाने पर विचार कर रही है। इस प्रश्न का उत्तर देते हुये उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मानदेय बढाये जाने की दिशा में फिलहाल कोई विचार नही किया जा रहा है।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव द्वारा आशा बहुओं के मानदेय सम्बन्धी प्रश्न के उत्तर में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि समय–समय पर सरकार द्वारा आशा

बहुओं को प्राप्त धनराशि बढायी गयी है। आशा बहुओं को विभिन्न स्वास्थ्य गतिविधियों में किये गये कार्यों के सापेक्ष निर्धारित प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की जाती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2018 में आशा बहु को नियमित गतिविधियों हेतु देय प्रतिपूर्ति राशि रुपया एम हजार से बढाकर दो हजार प्रति आशा बहु प्रति माह किया गया है। इसके अतिरिक्त आशा बहुओं को वर्ष 2022 से राज्य बजट से दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि 750 रूपये से बढाकर 1500 रूपया प्रति आशा बहु प्रतिमाह किया गया है। वर्तमान में प्रति आशा बहू को प्रति माह 3500 रूपया प्राप्त हो रहा है।

इसके अतिरिक्त आशा बहुओं की प्रतिपूर्ति धनराशि में अन्य गतिविधियों जैसे महिला नसबन्दी, टीकाकरण से संबंधित कार्य एवं पूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल आदि के फलस्वरूप नियमित वृद्धि की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में, जो आशा बहु औसत भुगतान 2306 रूपया प्रति आशा बहु प्रति माह था, यह वर्तमान में बढकर लगभग 6000 रूपये से 8000 रूपया तक हो गया है।

अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, महिपाल पटेल 'माही' समर्थकों के साथ रालोद में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता विवेक चौधरी, एपीएन पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं अपना दल एस युवा मंच के प्रदेश महासचिव महिपाल पटेल 'माही' समर्थकों के साथ राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो गये। सोमवार को रालोद के लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने उन्हें विधिवत पार्टी में शामिल किया। कहा कि शीघ्र ही उन्हें संगठन का महत्वपूर्ण सौंपा जायेगा।

रालोद में शामिल होने के बाद विवेक चौधरी ने कहा कि इस पार्टी के माध्यम से वे किसानो, नौजवानों की समस्याओं को और प्रमुखता से उठा सकेंगे। उनके राजनीतिक जीवन का उद्देश्य पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के उद्देश्यों को और मजबूती से पूरा करना है।

अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता विवेक चौधरी, एपीएन पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं अपना दल एस युवा मंच के प्रदेश महासचिव महिपाल पटेल 'माही' के साथ ही अभय पटेल, सर्वेश वर्मा, बालमुकुन्द सिंह, अरूण चौधरी, शिवम पटेल आदि ने रालोद की सदस्यता लिया। रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं, कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुये कहा कि इससे पूर्वांचल में संगठन को और मजबूती मिलेगी।

सपा सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, चार साल की सजा रद्द

प्रयागराज (आभा)। समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में अफजाल अंसारी को मिली चार साल की सजा को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अफजाल अंसारी की सांसदी पर मंडरा रहा खतरा समाप्त हो गया और वह सांसद बने रहेंगे। वर्ष 2005 में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद अफजाल पर यह मामला दर्ज किया गया था। इसके साथ ही अदालत ने इसी मामले में अफजाल की सजा बढ़ाने की उत्तर प्रदेश सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष कुमार राय की अपील भी खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने सोमवार को दिया। कोर्ट ने तीनों अपील पर लंबी सुनवाई के बाद गत चार जुलाई को फैसला सुरक्षित कर लिया था।

हाईकोर्ट ने गाजीपुर की अदालत के निर्णय को रद्द करने का आदेश पारित किया। गाजीपुर की सांसद–विधायक अदालत ने 29 अप्रैल 2023 को अफजाल को गैंगस्टर कानून के मामले में दोषी करार दिया था और उन्हें चार साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। अदालत ने अफजाल के भाई मुख्तार अंसारी को भी दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद, अफजाल सांसद के तौर पर अयोग्य हो गए जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय में अपील दायर की।

उच्च न्यायालय ने 24 जुलाई 2023 को अफजाल को जमानत दे दी, लेकिन इस मामले में उनकी

दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जिसके चलते उन्हें जेल से तो रिहा कर दिया गया, लेकिन उनकी सांसदी बहाल नहीं हुई। साथ ही वह भविष्य में चुनाव लड़ने के अयोग्य हो गए क्योंकि उन्हें सुनाई गई सजा दो वर्ष से अधिक की थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मामले में चार जुलाई 2024 को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

अफजाल अंसारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल चतुर्वेदी एवं डीएस मिश्र व एडवोकेट उपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने जो गैंग चार्ट बनाया है, उसमें कई सदस्य बनाए गए लेकिन गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही केवल तीन लोगों पर की गई। ट्रायल कोर्ट में विवेचक के बयान से यह स्पष्ट भी है कि ऐसा राजनीतिक द्वेषवश किया गया। इसके अलावा जिस मूल मुकदमे के आधार पर अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में सजा सुनाई गई, उस मामले में उन्हें बरी किया जा चुका है और गैंगस्टर एक्ट के इस मुकदमे के बाद उनके खिलाफ दो ही मामले दर्ज हुए और वे भी 2009 एवं 2014 के चुनाव को लेकर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से जुड़े।

स्वयं विवेचक ने ट्रायल कोर्ट में अपने बयान में कहा है कि चार साल तक वह मोहम्मदाबाद थाने के इंचार्ज रहे, अफजाल अंसारी के खिलाफ मुकदमा तो क्या किसी ने छोटी मोटी शिकायत भी नहीं की। ऐसे में अफजाल अंसारी की सजा बढ़ाने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता अलबत्ता राजनीतिक द्वेषवश के मुकदमों में कानून के मुताबिक गैंगस्टर एक्ट लागू ही नहीं होता इसलिए अफजाल अंसारी को सुनाई गई सजा निरस्त की जानी चाहिए।

इससे पूर्व राज्य सरकार की अपील पर अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव एवं अपर शासकीय अधिवक्ता जेके उपाध्याय ने अपनी बहस में कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में अफजाल अंसारी को कम सजा सुनाई है। ट्रायल कोर्ट ने ऐसा करने के पीछे अफजाल अंसारी की आयु (70 वर्ष) ओर उनके दो बार सांसद एवं कई बार विधायक चुने जाने के मद्देनजर किया है जबकि कानून के मुताबिक ट्रायल कोर्ट को अभियुक्त की आयु उस समय की देखना चाहिए था, जब अपराध हुआ था।

इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट ने अफजाल अंसारी के सांसद एवं विधायक चुने को भी कम सजा का आधार बनाया है लेकिन यह भी उचित नहीं किया गया। क्योंकि जिन पर देश का भविष्य बनाने का दायित्व है, वे ही अगर अपराध करें तो उन्हें अधिकतम दंड दिया जाना चाहिए था। पीयूष राय के अधिवक्ता सुदिष्ट कुमार ने सरकार की ओर से प्रस्तुत तर्कों पर पूरी तरह सहमति जताई थी।

गौरतलब है कि अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर की स्पेशल कोर्ट एमपी, एमएलए ने चार साल कैद की सजा सुनाई है, जिसके खिलाफ अफजाल अंसारी ने अपील दाखिल की है। अपील में सजा को रद्द करने की मांग की गई है। विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के आधार पर मुख्तार अंसारी, अफजाल अंसारी और एजाजुल हक पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा कायम किया गया था। हाईकोर्ट ने पूर्व में अफजाल अंसारी की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

इस पर अफजाल अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर स्थगनादेश देते हुए हाईकोर्ट को अपील का निस्तारण 30 जून तक करने का निर्देश दिया था। उधर, राज्य सरकार और दिवंगत विधायक कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष राय ने अफजाल अंसारी की सजा बढ़ाने की अपील दाखिल की। अफजाल की ओर से सरकार की अपील पर आपत्ति दाखिल की गई थी।

कोविड–19 कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन मुख्यमंत्री से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को कोविड–19 कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि कोविड–19 जनपद बस्ती एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का एनएचएम में समायोजन कराया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि सरकार ने तत्काल निर्णय न लिया तो 31 जुलाई को बस्ती समेत उत्तर प्रदेश के हजारों कर्मचारियों की सेवा समाप्त हो जायेगी।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि कोविड–19 के समय स्वास्थ्य विभाग में लैब टेक्नीशियन, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर की भर्ती जनपद बस्ती के जिला अस्पताल और समस्त सीएचसी पर की गई थी। इन कर्मचारियों ने अपनी जान दाव पर लगाकर लोगों की जान बचाने मे अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया और मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री ने भी कोरोना योद्धा कहकर पुष्पवर्षा से सम्मानित किया। जबकि स्वास्थ्य विभाग में उनकी कितनी आवश्यकता है यह पिछले 4 वर्षों से साबित हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग में जिस तरह से संविदा आउटसोर्स के जरिए कर्मचारियों को भर्ती कर पूरे ढांचे

-31 जुलाई से पूर्व निर्णय न हुआ तो बेरोजगार हो जायेंगे प्रदेश के हजारों संविदा कर्मचारी

को कम्पनियों के अधीन किया जा रहा है वह न सिर्फ दक्ष कर्मचारियों के जीवन के साथ खिलवाड़ है अपितु जन स्वास्थ्य के सरकारी ढांचे की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

मांग किया गया है कि कोविड 19 के दौरान भर्ती किये गये कर्मचारियों की सेवायें निरन्तर सुचारू रूप से चालू रखी जाये जिससे उनके परिवार का पालन पोषण हो सके व उनको रोजगार प्राप्त हो सके। स्वास्थ्य विभाग में संविदा व आउटसोर्स के जरिये भर्ती कर्मचारियों को एन०एच०एम० में समायोजित किया जाये और कम्पनियों का मुनाफा कमवाने के बजाय कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन लव उपाध्याय के साथ ही अन्य कोविड कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

महानिदेशक द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की अवधि प्रत्येक माह करके बढ़ा दी जाती है जिस कारण नौकरी पर खतरा बना रहता है तथा मानसिक व शारीरिक रूप से कर्मचारियों पर दबाव बना रहता है। इसकी अवधि एन०एच०एम० के नियमानुसार बढ़ाई जाये।

ज्ञापन सौंपने वालों में विकास शर्मा, रमेश गुप्ता विपिन शुक्ला, सूरज पाण्डेय ,कमलेश कुमार, दीपनारायण, अजय चौधरी, अश्वनी कुमार, सिद्धार्थ सिंह, प्रतिमा प्रजापति, अफजल हुसैन, विवेक पाण्डेय, बृजेश मिश्रा, चन्द्रहास चौधरी, मनीष मिश्रा

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 जुलाई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

विवादों में अग्निपथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने 'अग्निवीरों' को लेकर देश को गुमराह करने का प्रयास किया और बजट पर भ्रांति पैदा की है। राहुल गांधी ने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि ''सेना के जवानों को अग्निपथ के चक्रव्यूह में फंसाया गया है तथा बजट में अग्निवीरों को पेंशन के लिए रुपया नहीं दिया गया है।''

राहुल गांधी का भाषण संपन्न होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष ने बजट से संबंधित जो भी भ्रांतियां पैदा की हैं, उस पर वित्त मंत्री जवाब देते समय बात करेंगी। मेरा मानना है कि बजट को लेकर कई भ्रांतियां पैदा की गई हैं।'' सिंह ने कहा, ''देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। सेना से जुड़े अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। जब भी आपका (लोकसभा अध्यक्ष) आदेश होगा मैं अग्निवीरों को लेकर अपना बयान देने के लिए तैयार हूं।''

सेना में अल्पकालिक सेवा के लिए दो वर्ष पूर्व लायी गई अग्निपथ योजना लगातार विपक्षी दलों के निशाने पर रही है। समय—समय पर सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारियों ने सशस्त्र बलों में अल्पकालिक भर्ती प्रक्रिया की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस योजना के विरोधाभासी मुद्दों को चिन्हित किया है। सवाल इस बात को लेकर उठाये जाते रहे हैं कि कुल अग्निवीरों के पच्चीस फीसदी को भी स्थायी कैडर में शामिल किया जाएगा। जबकि देश में प्रचुर संख्या में जनशक्ति उपलब्ध है। हाल ही में अग्निवीरों के कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की भी चिंताजनक घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे ही सेवा मुक्त होने के बाद रंगरूटों के पथ से भटकाव की आशंकाएं बनी रह सकती हैं। कुछ दिग्गजों ने तो यहां तक कहा है कि सेना की पूर्व निर्धारित भर्ती प्रणाली के साथ छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। दरअसल, सैन्य वर्ग के भीतर असहमति के अलावा, अग्निपथ योजना राजनीतिक क्षेत्र में भी खासा विवाद का विषय बना हुआ है। पिछले दिनों कारगिल विजय दिवस पर अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने न केवल इस योजना का जोरदार ढंग से बचाव किया, बल्कि विपक्षी दलों पर भी भर्ती प्रक्रिया पर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अग्निपथ का उद्देश्य सेनाओं को युवा व फिट बनाना है। उन्होंने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया कि यह पहल पेंशन के पैसे बचाने के लिये की गई थी।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस योजना को लगातार निशाने पर लेते रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों ने इस योजना को रद्द करने की मांग की है। इतना ही नहीं, सत्तारूढ़ राजग गठबंधन में शामिल सहयोगी दल जनता दल युनाइटेड ने भी इस योजना की व्यापक समीक्षा की मांग सरकार से की है। निस्संदेह, सरकार अग्निपथ योजना को लेकर उठ रही आवाजों को यूं ही नजरअंदाज नहीं कर सकती। आशंका जतायी जा रही है कि सेनाओं से जुड़े मुद्दों पर आम सहमति की कमी सशस्त्र बलों की युद्ध की तैयारियों को प्रभावित कर सकती है। कई भाजपा शासित राज्यों ने पुलिस जैसी वर्दीधारी सेवाओं में नौकरियों में अग्निवीरों के लिये आरक्षण या प्राथमिकता की घोषणा की है। लेकिन ये कदम विरोधियों को चुप कराने के लिये पर्याप्त नहीं हो सकता है। केंद्र सरकार को इस योजना को लेकर मिल रही प्रतिक्रिया को गंभीरता से लेना चाहिए। साथ ही योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, इस मुद्दे पर अड़ियल रवैये की प्रतिक्रिया भविष्य में भी हो सकती है। जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा लाये गए तीन कृषि कानूनों के लागू होने के बाद विरोध प्रदर्शन सालभर चले थे। सरकार को गहनता से इस मुद्दे पर मंथन करना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिकों के मनोबल को लेकर कोई प्रयोग नहीं किये जा सकते। देश के सत्ताधीशों को राजनीतिक बड़बोलेपन से परहेज करना चाहिए।

कोचिंग का कारोबार, सपने और जिन्दगी

—आशीष वशिष्ठ—

दिल्ली की प्रतिष्ठित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। ओल्ड राजेंद्र नगर की इस दर्दनाक हादसे ने देशवासियों को झकझोर दिया। जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे।

सोचिये उनके परिवारों पर क्या बीत रही होगी। इस व्यवस्था के व्यवस्थापक इतने गैर जिम्मेदार और लज्जाहीन हैं कि उनकी नजर में किसी की जान की कोई कीमत ही नहीं है। ये हालात राष्ट्रीय राजधानी के पॉश इलाकों में संचालित कोचिंग सेंटर के हैं, दूसरे शहरों और कस्बों की बात ही क्या की जाए।

इस साल जलभराव की वजह से दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई को यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र की मौत करंट लगने से हो गई। असल में दो चार दिन के शोर गुल और कार्रवाई की नौटंकी के बाद व्यवस्था फिर से पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। सौ प्रतिशत दावे के साथ कहा जा सकता है कि, राव कोचिंग सेंटर मामले में भी कार्रवाई और सख्ती की पुरानी स्क्रिप्ट दोहराई जाएगी।

हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। छात्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। छात्र व्यवस्थागत खामियों को गिना रहे हैं। छात्र नारेबाजी कर रहे हैं श्छात्रों की हत्या बंद करोश... इस मामले में दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ये हादसा सरकार और कोचिंग संचालकों पर गंभीर सवालों के कटघरे में खड़े करता है।

ये कोई पहला ऐसा हादसा नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। 15 जून 2023 को दिल्ली में कोचिंग सेंटरों के हब मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते—देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200—250 छात्र मौजूद थे। छात्रों ने आग से बचने के लिए खिड़कियां तोड़ीं, रस्सियों के सहारे नीचे उतरे और सीढ़ियों का सहारा लिया। कुछ छात्रों ने बचने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग तक लगा दी। इसके अलावा 25 जनवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में कोचिंग सेंटर की दो छतें गिर गईं। इस हादसे में चार छात्रों समेत 5 लोगों की मौत हो गई वहीं 13 लोग घायल हो गए।

दिल्ली हो या फिर कोई दूसरा शहर कमोबेश सरकारी अमले की कार्यप्रणाली एक समान ही होती है। हादसे के बाद प्रशासनिक अमला गहरी नींद से ऐसे जागता है मानो उन्हें इस बात का इल्म ही न हो कि उनके क्षेत्र या शहर में क्या अनियमितता हो रही हैं। जब कोई दुर्घटना घटती तब पता चलता है कि व्यवस्था में कितनी खामियां और छेद हैं। और इन खामियों और छेदों से छनकर आने वाला लाभ नीचे से ऊपर तक बंटता है। पूर्व की घटनाओं पर गौर किया जाए तो अधिकतर मामलों में दोषी साफ तौर पर बच जाते हैं, या मामूली सजा पाते हैं। हादसा की जिम्मेदारी तो संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की भी होती है, लेकिन ऐसे मामलों में वो अपना पल्ला झाड़कर किनारे खड़े हो जाते हैं।

बीती 14 अप्रैल 2024 को राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा के एक हॉस्टल में आग लगने से 8 स्टूडेंट्स झुलस गए। घटना के वक्त हॉस्टल में 60 से ज्यादा छात्र मौजूद थें आग लगने के बाद हॉस्टल में भगदड़ मच गई इस बीच एक छात्र ने अपनी जान बचाने के लिए चौथी मंजिल से छलांग लगा दी।जांच में हॉस्टल मालिक की बड़ी लापरवाही सामने आई। हॉस्टल मालिक ने अंदर ही बिजली का एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगवाया हुआ था जिसमें शॉर्ट सर्किट होने से यह हादसा हुआ।

लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर तीन मंजिला स्कॉलर्स फोरम टॉवर है। इसके पहले तल पर स्कॉलर्स फोरम कोचिंग चलता है। यहां छात्र—छात्राएं आईआईटी और नीट की तैयारी के लिए पढ़ाई करते हैं. दूसरी और तीसरी मंजिल पर हॉस्टल हैं। दूसरी मंजिल के हॉस्टल में 14 कमरों में कुल 28 छात्राएं रह रहीं हैं। 2 जून 2024 की शाम को छात्राएं अपने कमरे में थी। शाम करीब छह बजे तीसरी मंजिल के कमरा नंबर दो की एसी में शॉर्ट सर्किट से धमाका हो गया। इसके बाद तीन मंजिला हॉस्टल में आग लग गई। सभी कमरों में धुआं फैल गया। करीब 28 छात्राओं में चीख—पुकार मच गई। एक कमरे का शीशा तोड़कर हॉस्टल कर्मियों ने छात्राओं को बाहर निकाला. जानकारी मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

24 मई 2024 को गुजरात के सूरत के तक्षशिला कॉम्प्लेक्स में चल रही एक कोचिंग में भीषण आग लगने से 23 छात्रों की मौत हो गई। आग बिल्डिंग में आने जाने के लिए बनाई गई सीढ़ियों के पास रखे ट्रांसफॉर्मर में लगी थी। जैसे ही आग लगी अंदर मौजूद छात्र उतरने के लिये नीचे पहुंचे। लेकिन आग की वजह से वह लौटकर चौथी मंजिल पर चले गए, जहां एक फाइबर का शेड था और अंदर जिम के लिए रखी गई रबर की चटाई और टायर के कारण आग ज्यादा फैली, जिससे बच्चे आग की चपेट में आ गई। घटना से हिली सरकार ने पूरे राज्य में वाणिज्यिक भवनों में चलने वाले कोचिंग सेंटरों को बंद करने का आदेश दिया।

31 मई 2024 हरियाणा के पंचकूला के सेक्टर 16 के एससीओ नंबर 195 की प्रथम मंजिल पर बिजली के मीटर बोर्ड में दोपहर लगभग 12 बजे अचानक आग लग गई। आग के कारण काफी धुंआ हो गया और इससे दूसरी मंजिल पर बने हारट्रोन इंस्टीट्यूट में धुआं फैल गया। जिस समय हादसा हुआ, तो हारट्रोन इंस्टीट्यूट में लगभग 25 से 30 विद्यार्थी कंप्यूटर की ट्रेनिंग करने के लिए आए थे। धुंआ फैलने के कारण विद्यार्थियों को सांस लेने में भी समस्या होने लगी। इसके बाद स्थानीय दुकानदार ने दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने लोगों की मदद से दूसरी मंजिल पर पहुंचने के लिए लकड़ी की सीढ़ी लगाई और ऊपर जाकर फंसे हुए विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किए।

ये घटनाएं उन सरकारी दावों—वादों की पोल खोलती हैं जिनमें ये कहा जाता है कि प्रशासन व्यवसायिक और अन्य गतिविधियों का संचालन नियम कानून के दायरे में करवा रहा है। यह भी अफसोस की बात है कि ऐसे हादसों की जांच तो होती है, लेकिन उनके आधार पर क्या कार्रवाई हुई, यह मुश्किल से ही पता चलता है। लगता है कि हादसों की तरह उनसे संबंधित जांच रपटों को भी भुला दिया जाता है।

सरकार को कोचिंग संचालन के सख्त नियम बनाने चाहिएं। वहीं स्थानीय प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, फायर विभाग और अन्य संबंधित विभागों को व्यावसायिक भवनों के निर्माण और संचालन में कागजी कार्रवाई और फाइलों का पेट भरने की बजाय ईमानदारी और पारदर्शिता से नियम कानून का पालन करवाना चाहिए। यहां सवाल देश के युवाओं और छात्रों का है। यहां सवाल देश के भविष्य का है। यहां सवाल छात्रों के अभिभावकों का है। दिल्ली देश की राजधानी है। यहां देशभर से लाखों छात्र भविष्य बेहतर करने का सपना लेकर तैयारी करने आते हैं। दिल्ली में इस तरह के हादसे होना बेहद चिंता की बात है। इस घटना पर एनडीआरएफ और सरकार अपना काम कर रहे हैं लेकिन वो 3 जिंदगियां तो वापस आने से रहीं।

शिक्षा, स्वास्थ्य पर चुप्पी

—ज्योति मल्होत्रा—

शुक्रवार के दिन कारगिल विजय स्मृति स्मारक पर आयोजित समारोह के टेलीकास्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खड़े देखा, जैतूनी हरे रंग के बंद—गला कोट और हल्के भूरे लेंस का रंगीन चश्मा लगाकर खूब जंच रहे थे, अपने संबोधन में उन्होंने पाकिस्तान द्वारा सीमा पारीय आतंकवाद को निरंतर शह और मदद देते रहने के लिए लताड़ादृ कारगिल युद्ध हुए 25 साल गुजर गए, स्पष्टतः कुछ चीजें बिल्कुल नहीं बदलीं।

लेकिन यहां चंडीगढ़ में, बजट दस्तावेज बांचने का काम हमारा इंतजार कर रहा था। एक बारगी लगा कि 'स्वास्थ्य' और 'शिक्षा' वाले हिस्से इससे गायब हैं। हो सकता है, रिसकर उस भाग में चले गए हों जो शेयर मार्केट में निवेश पर अर्जित मुनाफे पर कर की बाबत हैदृ वह एक कैटेगरी, जिस पर हफ्ते के शुरू में पेश बजट के बाद से भारतीय शेयर मार्केट के दीवानों ने सावधानी से नजर रखी। गौरतलब है कि जिस क्षण सुश्री सीतारमण ने कर लगाने की बात कही, बाजार की प्रतिक्रिया कुछ गुस्से भरी दिखी। लेकिन हर कोई जानता है कि मंगलगिरी साड़ी पहने शांत छवि वाली निर्मला दृढ़ इच्छाशक्ति संपन्न महिला हैं, वे वहां पहुंच रही हैं, जहां कोई फरिश्ता और यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम भी जाने का साहस न करते। उन पर 'रोलबैक वित्त मंत्री' का ठप्पा लगने से रहा।

इससे हमारे लिए एक अन्य सवाल उठ खड़ा होता है : अपना पुनर्गठन, परिवर्तन और आधुनिकीकरण किए जाने को तरस रहे स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को निर्मला सीतारमण ने क्योंकर नजरअंदाज किया? पुरुष वर्चस्व वाली राजनीतिक पार्टी में इतने उच्च स्तर पर पहुंचना, उससे पहले जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त निर्मला ने भूसे से गेहूं के दाने अलग करना या फिर बुरे और अच्छे व्यवहार बीच फर्क करने की कला अच्छी तरह सीख ली थी (मसलन, अपनी पूर्व मंत्रिमंडल सहयोगी स्मृति ईरानी की तरह वे अपने मातहत अफसरों पर फाइलें फेंककर नहीं मारती, जैसा कि मानव संसाधन मंत्री रहते हुए उन्होंने कथित तौर पर किया)। इसके अधिक, वे डाटा की कद्र है, भले ही यह साफ तौर पर छिपाने की गर्ज से हो।

उदाहरण के लिए उन्हें मालूम है कि बजटीय अनुमान और संशोधित अनुमान के बीच तुलना करना नितांत गलत है, क्योंकि ये दोनों अलग चीजें हैं दृपहले वाला, अनुमानित खर्च की बाबत है तो दूसरा वास्तव में किए जाने वाले खर्च के बारे में है। इसलिए, पिछले साल के बजटीय अनुमान और मौजूदा साल के संशोधित अनुमानों की तुलना के आधार पर यह कहना एकदम गलत है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए रखे धन में 12 फीसदी इजाफा किया गया है। यह सेब की तुलना संतरे से किए जाने जैसा है।

सही चीज होती, मौजूदा और पिछले साल के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना करना। पिछले साल के लिए यह 89,155 करोड़ रुपये था जो मामूली बढ़ोतरी (1,803.63 करोड़) अर्थात 1.98 फीसदी वृद्धि के साथ इस साल 90,958.63 करोड़ रुपये किया गया। इसके अलावा, जहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए खर्च में बढ़ोतरी शोचनीय 1.16 फीसदी है वहीं प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना में इजाफा महज 1.4 प्रतिशत है। जबकि इसके लाभार्थी वे 55 करोड़ लोग हैं, जिनका हिस्सा कुल जनसंख्या का लगभग 40 फीसदी हैदृउपरोक्त वर्णित दोनों योजनाएं वर्ष 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गयी आयुष्मान भारत नामक अग्रणी स्वास्थ्य परियोजना का मुख्य अवयव हैं।

तो बजटीय प्रावधान में राशि में की गई इस नगण्य बढ़ोतरी के बूते किस तरह 2025 तक देश से टीबी का खात्मा करने का लक्ष्य पूरा हो पाएगा या सब बच्चों में रोग—प्रतिरोधकता बनाना या फिर लड़कियों एवं महिलाओं में गर्भाशय कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन जारी करने का ध्येय कैसे पूरा होगादृ जबकि फरवरी माह में पेश अंतरिम बजट में अंतिम हेतु वादा किया गया था?

फिर यहां कोरा सच है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजटीय खर्च पहले की भांति जीडीपी का महज 1.9 प्रतिशत बना हुआ है, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति—2017 में तय किये गए लक्ष्य यानी 2.5 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम है। कोविड—19 महामारी, जिसमें भारत को बहुत जान—माल का भारी नुकसान हुआ (आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या 5,32,000 बताई गई) के बाद लगता था कि जरूर इससे कुछ सबक लिए होंगे। इसलिए, सीखने से मोदी सरकार को इंकार क्यों?

शिक्षा क्षेत्र का आलम भी कुछ अलग नहीं है। पिछले साल के लिए बजटीय अनुमान 1,12,899.47 करोड़ रुपये था, जो इस साल मामूली बढ़ोतरी (7,728.4 करोड़) के साथ 1,20,627.87 करोड़ रुपये किया गया। आर्थिक सर्वे के मुताबिक, जीडीपी के अंश के तौर पर शिक्षा के लिए रखा फंड दरअसल 2.8 प्रतिशत से घटकर 2.7 फीसदी होने के साथ वर्ष 2010 के स्तर पर जा पहुंचा है (जबकि यूनेस्को द्वारा तय वैश्विक मानक 4—6 प्रतिशत है)। आपको हैरानी नहीं होनी चाहिए कि चीन अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 फीसदी शिक्षा क्षेत्र पर लगाता हैदृदुनिया की बेहतरीन यूनिवर्सिटियों को अपनी शाखाएं चीन में खोलने का वह स्वागत करता हैदृ और तो और अफगानिस्तान तक ने वर्ष 2020 में शिक्षा क्षेत्र के लिए जीडीपी का 2.8 प्रतिशत अंश रखा था (हालांकि तालिबान द्वारा तख्ता पलट के बाद से ऐसा नहीं है), अवश्य ही नयी दिल्ली में कहीं न कहीं कुछ तो गड़बड़ है।

इस सवाल का स्पष्ट उत्तर कि भारत के राजनीतिक वर्ग को क्यों इस बात की परवाह नहीं है कि देश का बच्चा शिक्षित है या नहीं, सेहतमंद है या नहींदृ इसका जवाब निजी क्षेत्र के जरिये दिया है। ये दोनों मूलभूत सुविधाएं पाने को लोगों की जेब से होने वाले खर्च में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। नए भारत में, यदि आपके पास पैसा है, तो सर्वश्रेष्ठ अस्पताल, स्कूल और कॉलेज वहन कर सकते हैं दृ लेकिन यदि ऐसा नहीं कर सकते, तो आप दुर्दशा के लिए अभिशप्त हैं।

जिन दो देशों ने इनकी अहमियत को सही ढंग से समझा, उनमें एक था पूर्व सोवियत संघदृ जिसका उत्तराधिकारी अब रूस है दृ और दूसरा है चीन। दोनों की आलोचना वामपंथी राष्ट्र कहकर करना आसान है कि लोकतंत्र में आप बहस कर सकते हैं लेकिन वामपंथी व्यवस्था अधिनायकवादी होती है दृ मानो जब बात आपके बच्चे के लिए शिक्षा के इंतजाम की आए तो इसे बहाना बनाकर इस्तेमाल कर लो।

मुलायम का लोहियावाद और अखिलेश

—प्रभु चावला—

एक समय की बात है, भारत में उत्तर प्रदेश के मुलायम सिंह यादव नाम के एक महान पहलवान रहते थे। वे चक्र दाव में माहिर थे, यानी प्रतिद्वंद्वी को पटखनी देने की कला। उन्होंने समाजवादी पार्टी बनाकर उत्तर प्रदेश के विश्वासघाती राजनीतिक अखाड़े में बड़ी कुश्ती जीती और बाद में कई राष्ट्रीय राजनीतिक प्रतियोगिताओं में रैफरी की भूमिका निभाई। उनके बेटे अखिलेश यादव ने स्टारडम का राज समझ लिया है। युवा सांसद अखिलेश अपने राजनीतिक कद को बढ़ाने के लिए दोस्त बना रहे हैं और दुश्मनों को त्याग रहे हैं। अखिलेश सिर्फ एक सांसद नहीं हैं वे एक मुख्यमंत्री थे। जंतर—मंतर पर एन.डी.ए. के खिलाफ क्षेत्रीय दलों द्वारा आयोजित धरने पर बैठकर अखिलेश ने यह बात साबित कर दी कि क्षेत्रीय ही राष्ट्रीय है।

उन्हें आंध्र प्रदेश के अपदस्थ मुख्यमंत्री जगन मोहन रैड्डी ने आमंत्रित किया था, जिन्होंने चेतावनी दी थी कि उनकी वाई.एस.आर. कांग्रेस के पास संसद में 15 सांसद हैं और एन.डी.ए. सरकार, जिसमें उनके प्रतिद्वंद्वी चंद्रबाबू नायडू भागीदार के रूप में शामिल हैं, को उन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए। वह और अखिलेश शायद ही कभी सामाजिक या राजनीतिक कारणों से मिले हों। फिर भी, यादव जूनियर ने उनके निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। यह चतुराईपूर्ण दृष्टिकोण है। अखिलेश उत्तर भारत से आगे अपने राजनीतिक क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं और 2029 तक सपा को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाना चाहते हैं। एक युवा नेता अखिलेश जाति कार्ड नहीं खेलते हुए खुद को राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित कर रहे हैं और मुलायम के लोहियावादी बोझ के बिना आधुनिक सोच रखते हैं। सपा के लिए, यादववाद मर चुका है। अखिलेश अब एक छोटे से यादववादी संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं।

जब से उन्होंने उत्तर प्रदेश में 37 लोकसभा सीटों के साथ सपा को शानदार जीत दिलाई और 18वीं लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी, तब से वे अपनी पार्टी के अंदर और बाहर बहुत सक्रिय हैं। अब वे एक शांत स्वभाव वाले योद्धा नहीं रह गए हैंय वे व्यंग्य, कविता और शांत विचारधारा से भरपूर शोधपूर्ण भाषण देते हैं। वे विभिन्न दलों के नेताओं से मिल रहे हैं और अपने घर या संसद के बाहर प्रतीक्षा कर रहे पत्रकारों को साक्षात्कार देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

राजनीतिक शैली में यह बड़ा बदलाव है। पिछले एक दशक से अखिलेश ने खुद को लखनऊ तक सीमित रखा और ज्यादातर करीबी लोगों से ही मिले, घर से सिर्फ पार्टी मीटिंग के लिए निकले। बाकी समय उन्होंने परिवार के साथ बिताया, घर के पिछवाड़े में फुटबॉल या क्रिकेट खेला। अब कई सालों के बाद भारत में एक नया युवा क्षेत्रीय राजा दिख रहा है जो राष्ट्रीय भूमिका निभाने के लिए बेताब है। ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन और तेजस्वी यादव मोटे तौर पर अपने गृह राज्यों में ही रहे हैं, जबकि अखिलेश दिल्ली में अपने सांसदों से घुलमिल गए हैं। उन्होंने गठबंधन बनाने और तोडने की कोशिश की है। उन्होंने कांग्रेस और बसपा के साथ भी हाथ मिलाया, लेकिन असफल रहे। लेकिन वे लड़ाई नहीं छोड़ रहे हैं, क्योंकि उम्र उनके पक्ष में है। अखिलेश का लक्ष्य सपा को एक समावेशी मंच में बदलना और शीर्ष पर पहुंचाना है।

उन्होंने अपने पिता की राजनीतिक शैली में बदलाव किया और दागी छवि वाले पुराने विश्वासघातियों को हटाकर अपना खुद का संस्करण गढ़ रहे हैं।

लापता बच्चे की नहर में मिली लाश हत्या और हादसे में उलझी पुलिस

संवाददाता–कुशीनगर। कछुहिया जनूबी गांव निवासी रामअधार यादव का पोता डेढ़ वर्षीय दिव्यांशु बृहस्पतिवार की शाम दरवाजे से ही कहीं गायब हो गया था। हालांकि, तहरीर के आधार पर कसया पुलिस मामले में गुमशुदगी दर्ज कर कार्रवाई में जुटी थी। दो दिन खोजने के बाद सोमवार की सुबह गायब बच्चे का शव गांव के बगल से गुजरी नहर में लोगों ने देखा। शव देखने के बाद लोगों ने शोर मचाया तो परिजन समेत बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। कुशीनगर के कसया थाना क्षेत्र के कछुहिया जनूबी गांव में बृहस्पतिवार की शाम दरवाजे से एक डेढ़ वर्षीय बच्चा गायब हो गया था। घर वालों ने बच्चे की काफी तलाश की, लेकिन कहीं भी उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस अभी इस मामले में बच्चे की तलाश कर ही रही थी कि सोमवार की सुबह गांव के पास से गुजरी नहर में लोगों ने बच्चे का शव देखा। मौके पर पहुंचे परिजन पुलिस पर लापरवाही बरतने और बच्चे की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि अगर घटना वाले दिन से ही पुलिस सतर्क हो गई होती तो शायद बच्चे की जान बच जाती। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में मारपीट, मची अफरा–तफरी

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में सोमवार को मारपीट हो गई। इस दौरान कालेज परिसर में कुछ देर अफरा– तफरी रही। मामला दो रिश्तेदारों के बीच का है। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में सुबह एक पति अपनी पत्नी का इलाज कराने लेकर आया था। आरोप है कि इस बीच पत्नी ने अपने भाई को भेज करके गांव पर सास–ससुर को पिटवा दिया। इसकी सूचना इमरजेंसी पर पहुंचते ही पति–पत्नी और रिश्तेदार आपस में भिड़ गए। इससे वहां अफरा–तफरी मच गई। मौके पर मौजूद भीड़ और पुलिसकर्मियों ने समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। मामले में किसी तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

विभूतिनाथ में हर हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा इलाका

संवाददाता–श्रावस्ती। सावन के दूसरे सोमवार पर मंदिरों व शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में शिव भक्त शिवालयों में पहुंच कर भगवान शिव का जलाभिषेक कर मनोवांछित फल की कामना की। सिरसिया के विभूतिनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भीड़ को नियंत्रित करने व सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में पुलिस टीमें तैनात रही। सिरसिया क्षेत्र के पांडव कालीन विभूतिनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए भारी भीड़ रही। इस साथ ही पड़ोसी जनपद बलरामपुर, बहराइच व नेपाल राष्ट्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु विभूतिनाथ मंदिर जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिर पर रविवार शाम से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

टैबलेट पाकर प्रशिक्षार्थियों के खिले चेहरे

संवाददाता–श्रावस्ती। राजकीय आईटीआई भिनगा में सोमवार को टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय आईटीआई भिनगा के 40 प्रशिक्षार्थियों के लिए एवं राजकीय आईटीआई जमुनहा के 26 प्रशिक्षार्थियों को टेबलेट वितरित किया गया।

आईटीआई भिनगा के प्रधानाचार्य एनपी प्रजापति ने बताया कि भिनगा संस्थान के 77 प्रशिक्षार्थियों के लिए टेबलेट मिले हैं। जिसमें से उपस्थित 40 प्रशिक्षार्थियों को वितरित किया गया। इसी तरह से जमुनहा संस्थान के 49 प्रशिक्षार्थियों के लिए टेबलेट आए हैं। जिसमें मौके पर उपस्थित 26 प्रशिक्षार्थियों को टेबलेट वितरित कर दिया गया है। शेष अनुपस्थित प्रशिक्षार्थियों को भी संस्थान में बुलाकर वेरीफिकेशन के बाद टेबलेट वितरित कर दिये जायेंगे। टेबलेट पाकर प्रशिक्षार्थियों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर प्रधानाचार्य एनपी प्रजापति ने कहा कि सरकार की ओर से पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए टेबलेट का वितरण किया गया है। सभी प्रशिक्षणार्थी टेबलेट के माध्यम से अपनी शिक्षा को ठीक करें। इस मौके पर भिनगा संस्थान के कार्यदेशक उमेश कुमार सिंह तथा जमुनहा संस्थान के जय किशन ने प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

त्याग तपस्या वैराग्य के प्रतिमूर्ति थे गुरु भाई –शुकदेव दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सरयू के पावन तट स्थित प्रसिद्ध श्री फटिक शिला बगही धाम आश्रम के साकेतवासी महंत रामाज्ञा दास महाराज को पांचवीं पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किया। आश्रम परिसर में गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें रामनगरी के संत–महंतों ने पूर्वाचार्य महंत के चित्रपट पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर फटिक शिला पीठाधीश्वर महंत शुकदेव दास महाराज ने कहा कि साकेतवासी महंत हमारे गुरु भाई रहे। वह उन्हें बड़े भ्राता के रूप में मानते थे, जिनकी आश्रम परिसर में पांचवी पुण्यतिथि मनायी गई।

उन्होंने बताया कि पूर्वाचार्य महंत त्याग, तपस्या और वैराग्य की प्रतिमूर्ति थे। मंदिर के विकास में हमेशा संकल्पित रहे। हर कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। वह पूरी तरह से साधुता की मिसाल थे। उनका जितना बखान किया जाए ,वह बहुत कम ही होगा। उनकी भगवान राम सीता के प्रति अनन्य भक्ति रही थी। उन्होंने सीताराम नाम को बहुत महत्व दिया एवं उसी का प्रसार आजीवन करते रहे। महंत शुकदेव दास महाराज ने आश्रम में पधारे संत–महंतों का स्वागत–सत्कार किया।

इस मौके पर मणिरामदास छावनी उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, वशिष्ठपीठाधीश्वर महंत राघवेश दास, महंत बृजमोहन दास, रामहर्षण कुंज महंत अयोध्या दास, कनक महल महंत सीताराम दास महात्यागी, महंत राम कुमार दास , बाल योगी महंत रामदास, हनुमान जी के मुख्य पुजारी रमेश दास , महंत परशुराम दास,खाकचौक के मौनी महाराज, महंत मनीष दास, मिथिला बिहारी दास, रामनंदन दास विद्यानंद दास सहित सैकड़े संत महंतो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सातवीं कक्षा की छात्रा संग सामूहिक दुष्कर्म, दोषियों को बचा रहा पुलिस –परिजन

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के एक गांव में खेत के तरफ शौच करने गई सातवीं कक्षा की छात्रा से रविवार दोपहर में सामूहिक दुष्कर्म होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक गमछे से मुंह बांध कर उठाकर बासवाड़ी में ले गए और वहीं बारी–बारी से दुष्कर्म किया।

इसके बाद गमछा लेकर भाग निकले। उधर, मुंह से गमछा हटते ही छात्रा जोर से चिल्लाई। एक लड़का वहां पहुंचा और फिर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची 112 पुलिस दो को हिरासत में ले ली। हालांकि एक भाग निकला। मगर पुलिस किसी को हिरासत में लेने से इंकार कर रही है। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद पुलिस कार्रवाई की बजाए पहले मैनेज में जुटी रही।

खुखुंदू थाना क्षेत्र के एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी पड़ोस के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा सात में पढ़ाई करती है। रविवार की दोपहर को वह गांव के पूरब खेत के तरफ शौच करने गई। उधर से लौटते समय धूप तेज होने पर वह एक पेड़ के नीचे रुक गई। इसी बीच तीन युवक पहुंचे और पीछे से मुंह दबाकर फिर गमछे से छात्रा का मुंह बांध दिया और उसे बगल की बासवाड़ी में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। छात्रा ने आपबीती घर आकर बताई। सूचना पर 112 पुलिस भी पहुंच दो युवकों को हिरासत में ले लिया।

परिजनों का आरोप है कि पीड़िता लगातार चिल्लाए जा रही है कि मेरे साथ युवकों ने छेड़छाड़ करते हुए गलत काम किया है। हालांकि पुलिस इसे मानने को तैयार नहीं है। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस सिर्फ आरोपियों को बचाने में जुटी है।

घटना के समय से लेकर देरशात तक पुलिस मामले को मैनेज करने में जुटी रही। हालांकि पीड़िता का परिवार कार्रवाई के लिए अड़ा रहा। हालांकि पुलिस का कहना है कि छेड़खानी और पास्को एक्ट का केस दर्ज किया गया है। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पुलिस ने छेड़खानी और पास्को एक्ट के तहत तीन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस तहरीर का इंतजार कर रही थी। जैसे तहरीर मिली केस दर्ज कर लिया गया। पीड़िता सामूहिक दुष्कर्म और बार–बार तहरीर बदलवाने का आरोप लगा रही है। तहरीर बदलकर केस दर्ज किया गया है पर बोले आरोप निराधार है। छात्रा का मेडिकल कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर धाराओं में बढ़ोतरी कर दी जाएगी।

कस्तूरबा की शिक्षिका और कर्मी बोले, हम लोगों की भी सुन लीजिए व्यथा

संवाददाता–महराजगंज। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय शिक्षणेत्तर वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य सोमवार को कलक्ट्रेट पहुंच मुख्यमंत्री को संबोधित नौ सूत्रीय मांग पत्र डीएम व बीएसए को सौंपे। इसमें बड़ी संख्या में महिला शिक्षिकाएं व कार्मिक रहीं। बताई कि कस्तूरबा विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। सभी स्टाफ अल्प वेतन मानदेय पर 24 घंटे काम करते हैं। विभागीय स्तर पर कर्मचारियों के समस्याओं के निराकरण, बालिकाओं की सुविधा के प्रति सार्थक पहल नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री से मांग पत्र पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई।

एसोसिएशन की अध्यक्ष नीलम त्रिपाठी ने बताया कि दिन में तीन बार उपस्थिति, रात में नौ बजे बजे सोई हुई बालिकाओं को उठाकर फेस रीडिंग के माध्यम से उपस्थिति ली जा रही है। इससे स्टाफ व बालिकाओं का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। मंत्री ममता उपाध्याय ने कहा कि केजीबीवी को प्रयोगशाला बनाकर बालिकाओं की शिक्षा–दीक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। नेटवर्क से बालिकाओं व स्टाफ की उपस्थिति प्रभावित हो रही है। प्रेरणा पोर्टल से ली जाने वाली तीन बार आनलाइन उपस्थिति बंद करनी चाहिए। इस मौके पर पूनम सिंह, वंदना मिश्रा, सुमन सिंह, मीना गुप्ता, प्रियंका त्रिपाठी, चंद्रप्रकाश, योगेश सिंह, सुनील कुमार, दिवाकर मणि, सुधाकर प्रसाद, गुरफान अहमद, विनीत मोहन उपाध्याय समेत दर्जनों की संख्या में कस्तूरबा स्टाफ के सभी शिक्षणेत्तर कर्मी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र में कस्तूरबा शिक्षिकाओं व कर्मियों ने नई शिक्षा नीति को लागू कर कार्यरत कर्मियों को नियमित किया जाए। जब तक नियमितीकरण ना हो जाए तबतक समान कार्य के बदले समान वेतन दिया जाए। नवोदय विद्यालय की तरफ कस्तूरबा विद्यालयों की नियमावली का प्रबंध कर विद्यालय का संचालन किया जाए। पूर्ण कालिक शिक्षिकाओं को अलग से आवासीय सुविधा दी जाए। प्रेरणा पोर्टल से दिन में तीन बार उपस्थिति बंद किया जाए। अंशकालीन शिक्षकों लेखाकार जैसे कर्मियों को राजपत्रित अवकाश व डीएम द्वारा अनुमोदित स्थानीय अवकाश भी दिया जाए। चौकीदार व परिचारक को जून माह में किए गए प्रतिकर अवकाश दिया जाए। सभी कर्मियों को एक माह का सवैतनिक चिकित्सीय अवकाश, सेवा पुस्तिका का प्रबंध कराते हुए मानव संपदा पोर्टल पर कोड निर्धारित किया जाए। बालिकाओं को प्रतिदिन सुबह–शाम का नाश्ता, दोपहर व रात के भोजन व्यवस्था के लिए 60 रुपया प्रति छात्र की दर से भोजन मद की धनराशि बेहद कम है। इसे 120 रुपया किया जाए।

सिविल सर्विसेज कर्मियों का चयन ट्रायल्स नौ को

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला क्रीड़ाधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया है कि राज्य कर्मचारियों के खेल के विकास तथा शारीरिक विकास की ओर ध्यान देने के उद्देश्य से विभिन्न खेलों का जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज का चयन ट्रायल्स नौ अगस्त को होगा। जिसका आयोजन जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में दिन में 11 बजे से किया जायेगा। चयन ट्रायल्स में भाग लेने के लिए कर्मचारी व अधिकारी को अपने विभाग की ओर से जारी कार्यमुक्त संबंधी प्रपत्र लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इस चयन ट्रायल्स में विभिन्न खेलों जैसे–टेनिस, वॉलीबाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबुल–टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एवं वेस्टफिजिक, एथलेटिक्स, फुटबाल, कैरम, ब्रिज, पावर लिफिटिंग, क्रिकेट, हॉकी व कुश्ती को शामिल किया गया है।

विज्ञान माडल बनाने पर करीना को मिला दस हजार का पुरस्कार

संवाददाता–बलरामपुर। इंस्पायर अवार्ड 2023–24 में विकास खंड उतरौला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय रमवापुर कला में कक्षा सात की चयनित छात्रा करीना को विज्ञान मॉडल बनाने को लेकर दस हजार रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह जानकारी जानकारी विद्यालय शिक्षक रवि कुमार पटेल ने दिया। उन्होंने बताया कि कक्षा सात की छात्रा करीना का चयन विज्ञान की दुनिया में ख्याति प्राप्त इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए किया गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए करीना को शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही खंड शिक्षाधिकारी सुनीता वर्मा ने स्कूल के शिक्षक रवि कुमार पटेल को भी इसके लिए बधाई दी। उनके सफल मार्गदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा की। बताया कि भारत सरकार की ओर से इनके प्रोजेक्ट के लिए राशि मिली थी। छात्रा ने लेजर लाइट सिक्योरिटी अलार्म प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया था। बीईओ ने करीना को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बच्चे को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित, होमगार्ड घायल

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के लौकहवा गांव के पास ड्यूटी करने जा रहे होमगार्ड की कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची 112 के पीआरवी जवानों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। तुलसीपुर निवासी दुर्गेश तिवारी ने बताया कि उनके 55 वर्षीय पिता वकील तिवारी होमगार्ड के पद पर तैनात हैं।

सरयू तट पर विराजमान भुवनेश्वर नाथ का भक्तों ने किया अभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार अयोध्या में उमड़ा जनसैलाब हर हर महादेव के जयकारे से गूंजायमान हुई अयोध्या, ब्रह्म मुहूर्त से ही मंत्र मां सरयू में स्नान करने तट पर स्थित श्री नागेश्वर महादेव भगवान का अभिषेक करने लगे साथ ही साथ अयोध्या में विराजमान दर्जनों प्राचीन शिव मंदिरों में भी भक्तों ने अभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम में मां सरयू के पावन तट पर स्थित सिद्ध पीठ करतलिया बाबा आश्रम में विराजमान प्राचीन भुवनेश्वर नाथ मंदिर प्रत्येक वर्ष जगत कल्याण के लिए महा अभिषेक किया जाता है और श्रावण मास के सोमवार को अयोध्या ही नहीं बल्कि देश के कोने–कोने से भक्त भुवनेश्वर नाथ का अभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष द्वितीय सोमवार को आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास महाराज के साथ राम सजीवन यादव एवं प्रदीप यादव व दर्जनों लोगों ने किए अभिषेक। महंत रामदास ने बताया कि आश्रम में सावन माह के प्रत्येक दिन भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है लेकिन प्रत्येक सोमवार को जगत कल्याण के लिए अभिषेक किया जाता है, जिससे विश्व में जितने भी भ्रांतियां व्याप्त हैं सबका समान हो लोग एक दूसरे से प्रेम पूर्वक व्यवहार करें जिससे मानवता की रक्षा हो और मानव का विकास हो। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ही आदि देव महादेव हैं जो इस कार्य को शीघ्र अति शीघ्र कर सकते हैं इसीलिए प्रतिदिन जगत कल्याण की कामना से आश्रम में भगवान शिव का अभिषेक हो रहा है।

गद्दी नशीन महंत प्रेम दास ने राम सुरेश दास को महंत बनाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । अखिल भारतीय श्रीपंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़ा, हनुमानगढ़ी के अन्तर्गत यज्ञवेदी चित्रकूट के महंत के रूप में गद्दीनशीन हनुमानगढ़ी श्रीमहंत प्रेमदास महाराज के साथ समस्त पंचान अखाड़ा द्वारा परंपरा एवं रीति रिवाज के अन्तर्गत राम सुरेश दास चेला साकेतवासी राम दुलारे दास को हनुमानगढ़ी अयोध्या में कंठी चदर भेंट कर महंत घोषित किया गया।इस अवसर पर निर्वाणी अनी के श्री महंत मुरली दास महाराज, धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास के उत्तराधिकारी, संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज, हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महेश दास महाराज, माधव दास, नागा राम शंकर दास महाराज, निर्वाणी अनी के सचिव सत्यदेव दास महाराज , सचिव महंत नंदराम दास महाराज, महंत राजेश दास महाराज, बाबा बलराम दास महाराज, पुजारी हेमंत दास महाराज, नागा राम लखन दास महाराज, जय मंगल दास, पहलवान मणीराम दास, मैनेजर हनुमानगढ़ी अजय श्रीवास्तव सहित दर्जनों साधु संत मौजूद रहे।

बोल बम के जयकारों से गूंजे शिवालय

संवाददाता–बलरामपुर। सावन मास के दूसरे सोमवार को जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भोर से ही श्रद्धालु देवाधि देव महादेव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों पर कतारबद्ध हो गए। लोगों ने परम्परागत तरीके से जलाभिषेक कर भगवान शिव की विधिवत पूजन अर्चन किया। महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर भोलेनाथ का पूजन अर्चन किया। नगर के झारखंडी महादेव मंदिर व पचपेड़वा के शिवगढ़ धाम तथा उतरौला के ऐतिहासिक दुरुखहरन नाथ मंदिर में सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हर हर बम बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। सुरक्षा की दृष्टि से शिव मंदिरों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

सावन मास भगवान शिव के आराधना के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। सोमवार को इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कहा जाता है कि सावन के सोमवार का व्रत रखने से मनवांछित कामना पूरी होती है। सुहागिन महिलाओं को सौभाग्यवती होने का आशीष प्राप्त होता है और पति को लंबी आयु प्राप्त होती है। वहीं अगर कुंवारी कन्याएं ये व्रत रखें तो उन्हें सुयोग्य वर की प्राप्ति होगी है। मान्यता के अनुसार भगवान शिव की पत्नी देवी सती ने जब अपने पिता के घर पर अपने पति शिव का अपमान होते देखा तो बर्दाश्त नहीं कर पाई और राजा दक्ष के यज्ञ कुंड में उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया। इसके बाद उन्होंने हिमालय पुत्री पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती के रूप में भी उन्होंने भगवान शिव को ही अपना वर चुना और उन्हें प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया। कहा जाता है कि सावन के महीने में ही शिव जी उनके तप से प्रसन्न होकर प्रकट हुए थे और उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इसके बाद पार्वती जी का शिव जी के साथ विवाह हुआ। तब से यह पूरा माह शिव जी व माता पार्वती दोनों का प्रिय माह बन गया। चूंकि सोमवार का दिन महादेव व पार्वती को समर्पित होता है। ऐसे में उनके प्रिय माह सावन में पड़ने वाले सोमवार का महत्व कहीं बढ़ जाता है। जो शिव भक्त सामान्यतः सोमवार को व्रत नहीं रखते वह भी सावन सोमवार का व्रत जरूर रखते हैं।

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के स्वप्न को साकार करने को प्रतिबद्ध है एबीवीपी

संवाददाता–देवरिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का एक दिवसीय तहसील अभ्यास वर्ग सोमवार को मदन मोहन मालवीय शिक्षण संस्थान के भीमव्यामशाला सभागार में चार सत्रों में आयोजित हुआ। जिसमें प्रथम सत्र उद्घाटन में स्वामी विवेकानन्द एवम् मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन कर जिला प्रमुख डा अजय मिश्र ने कहा की अभाविप युवाओं को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। प्रवासी के रूप में विभाग सह संयोजक डा राघवेंद्र पांडेय के कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के स्वपन के साकार करने के लिए संकल्पित है। द्वितीय सत्र कार्यपद्धति में प्रान्त कार्यकारणी अमित मिश्र के कहा कि एक विशेष कार्यपद्धति ही हमें अन्य संगठनों से हमें विशेष और अलग बनाती है। अहम की नही वयम की भावना लेकर चलने वाले लोग है। परिसर कार्य सत्र में प्रान्त सेवार्थ सह संयोजक विपुल पांडेय ने कहा कि अभाविप पूरे वार्षिक कैलेंडर के अनुरुप शिक्षण संस्थान में कार्य करने वाला विश्व का अग्रणी छात्र संगठन है। सदस्यता सत्र में विभाग संयोजक सौम्य मिश्र ने कहा अभाविप गोरक्ष प्रान्त ने 6 लाख विद्यार्थियों की सदस्यता का लक्ष्य लिया है। जिसमें देवनगर का 37 हजार का लक्ष्य है। घोषणा सत्र में विभाग संगठन मंत्री ने कहा की अभाविप छात्र संगठन के साथ विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाला संगठन है।

पुलिस भर्ती परीक्षा केन्द्रों की दुरस्त कराएं व्यवस्थाएं –डीएम

संवाददाता–बलरामपुर। अगस्त माह में प्रस्तावित पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केन्द्रों पर सभी तैयारियों को पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल व पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने पुलिस भर्ती प्रस्तावित परीक्षा केन्द्र एमएलके पीजी कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, एमडीके इंटर कॉलेज, बालिका इंटर कॉलेज, एमपीपी इंटर कॉलेज, भगवती आदर्श विद्यालय आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों के परीक्षा कक्ष में बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, कंट्रोल रूम, प्रश्न–पत्र एवं उत्तर पुस्तिका व स्ट्रांग रूम का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि जिन कक्षाओं में परीक्षा कराई जानी हैं वहां की सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करा लें। अभ्यर्थियों के मोबाइल आदि रखने के लिए केन्द्र से प्रर्याप्त दूरी पर स्थल बनाए जाने, अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दिशा सूचक बोर्ड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करा लें। केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल लगाए जाएं। इस अवसर पर डीआईओएस मृदुला आनंद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। विभागीय लापरवाही के चलते मधुरा बाजार क्षेत्र के लगभग 40 गांवों में लो वोल्टेज व अघोषित बिजली कटौती की समस्या को लेकर उपभोक्ताओं में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मधुरा बाजार क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मर के सामने खड़े होकर विभागीय अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बुद्धिसागर अवस्थी, गोविन्द प्रसाद पाठक, अरविन्द कुमार अवस्थी, मंगल प्रसाद शुक्ला, प्रेम सागर शुक्ल, मित्रसेन मिश्र एडवोकेट, अतुल मिश्र, रमेश शुक्ल, विश्वनाथ द्विवेदी, अशोक मिश्र, विपुल मिश्र, शैशू मिश्र, मुकेश ने बताया कि भीषण गर्मी में बीते 15 दिनों से लो वोल्टेज व अघोषित बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है। विभागीय अधिकारी समस्या दूर कराने में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। बाढ़ग्रस्त इलाका होने के कारण क्षेत्र में जहरीले जीव जंतुओं का खतरा बना हुआ है। ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। जबकि उपभोक्ता हर माह बिजली बिल समय से जमा कर रहे हैं। बताया कि मधुरा क्षेत्र के बीरपुर, कैली, खुथवा, अकबरपुर, इटैहिया, शेखापुर, कुदुरगोढवा, बनकसिया, जोधीपुरवा समेत 40 गांव पड़ोस के जनपद श्रावस्ती के विद्युत सब स्टेशन लक्ष्मनपुर बाजार से लाइन को जोड़ा गया था। लेकिन बीते 15 दिनों से बिजली उपभोक्ताओं को बराबर बिजली विद्युत उपकेंद्र लक्ष्मनपुर से नहीं मिल रही है। जब बिजली सप्लाई रहती भी है तो लो वोल्टेज की समस्या के चलते पंखे व कूलर के पर तक नहीं डोलते। बिजली समस्या दूर कराने को लेकर उपभोक्ताओं ने सामूहिक हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री के नाम से एक शिकायती प्रार्थना पत्र रजिस्टर्ड डॉक से भेजा है। श्रावस्ती जनपद अन्तर्गत विद्युत सब स्टेशन लक्ष्मनपुर बाजार के अवर अभियन्ता आदित्य गुप्ता ने बताया कि क्षमता से अधिक लोड होने के चलते मधुरा क्षेत्र में बिजली की समस्या बनी हुई है। समस्या समाधान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थाई समाधान के लिए मधुरा क्षेत्र में एक विद्युत सब स्टेशन की जरूरत है।

दुकान में घुसा अनियंत्रित ई रिक्शा, मची अफरा तफरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली चौराहे से मुख्य बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर पोस्ट आफिस के निकट सोमवार को लगभग दस बजे एक ई–रिक्शा अनियंत्रित होकर बेकरी की दुकान में घुस गया जिससे वहां अफरातफरी मच गई। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया। महुली मुख्य बाजार से सोमवार को लगभग दस बजे टैक्सी स्टैंड की ओर एक ई–रिक्शा लेकर चालक आ रहा था। पोस्ट आफिस के निकट पहुंचते ही ई–रिक्शा अनियंत्रित हो गया और पंकज कुमार की बेकरी की दुकान में घुस गया। ई–रिक्शा से बगल की दुकान के दो पंखे गिर गए। बेकरी की दुकान का बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि धूप के कारण कोई राहगीर रास्ते में नहीं था। अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इस दौरान अफरा–तफरी मच गई। कस्बे में अप्रशिक्षित चालक वाहन चलाते हैं। उन्हें पुलिस का जरा सा भी खौफ नहीं है। इतना ही नहीं पुलिस के सामने ही चालक मुख्य सड़क पर वाहन खड़ी करके सवारी बैठाते हैं। सड़क के किनारे या मुख्य सड़क पर वाहन खड़ी करने से आए दिन जाम भी लगता है। महुली कस्बावासियों ने जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

तय समय सीमा से दो महीने पीछे चल रहा है राम मंदिर का निर्माण कार्य –नृपेंद्र मिश्र

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से दो महीने पीछे चल रहा है। इसका खुलासा मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को किया। दूसरे दिन की बैठक शुरू होने से पहले उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति पर चिंता प्रकट की। उनका कहना है कि प्रतिकूल मौसम व मजदूरों की कमी के चलते निर्माण कार्य की गति धीमी हो गई है। इसलिए एलएंडटी को तत्काल मजदूरों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि भीषण गर्मी, बारिश व मजदूरों की कमी के चलते पिछले तीन माह से राममंदिर निर्माण की गति धीमी हो गई है। लक्ष्य के अनुरूप मंदिर के निर्माण में दो महीने की देरी हो सकती है।

निर्माण समिति ने मंदिर का निर्माण पूरा करने की समय सीमा दिसंबर 2024 तय कर रखी है लेकिन अब लग रहा है कि दो महीने की देरी हो जाएगी। इसकी सबसे बड़ी वजह मजदूरों की कमी है। भीषण गर्मी के चलते मजदूर छुट्टी पर चले गए हैं। एलएंडटी को अब मजदूरों को वापस लाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती शिखर के निर्माण की है। जब तक द्वितीय तल का काम पूरा नहीं होगा, शिखर का निर्माण भी पूरा नहीं हो सकेगा। द्वितीय तल के जो गुंबद हैं, वे पूरे हो जाएं। आज की गति से अगर निर्माण किया गया तो विलंब होगा।

एलएंडटी को निर्देश दिया गया है कि वह मजदूरों की संख्या बढ़ाए। 200 से 250 मजदूर और नहीं बढ़ाए गए तो निश्चित ही हम दिसंबर में काम पूरा नहीं कर पाएंगे। फिलहाल गति बढ़ाने के लिए गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि फसाड लाइट कब लगेगी, यह अभी तय नहीं हो सका है। रविवार को देश–विदेश की पांच कंपनियों ने प्रस्तुतीकरण दिया है। सबने अपनी–अपनी विशेषताएं बताई हैं, अभी किसी का चयन नहीं हुआ है। परकोटे का काम पूरा होने के बाद ही फसाड लाइट लगाई जाएगी। इन लाइटों को परकोटे की छत पर लगाया जाना है, इसलिए अभी केवल प्रेजेंटेशन देखा गया है।

बिजली विभाग का चेकिंग अभियान से मचा है हड़कम्प

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बिजली विभाग का चेकिंग अभियान लगातार जारी है। इससे बिजली चोरी कर उपभोग करने वालों में हड़कंप मचा है। अभियान में वे घर निशाने पर हैं जिन घरों में एसी चल रहा है। मेंहदावल विद्युत डिवीजन में एक्सईन पीके गुप्ता के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। दो दिन पर खलीलाबाद व मेंहदावल में कार्रवाई हुई थी। वहीं जेई धनन्जय सिंह की जांच टीम अतरौरी गांव में जांच करने पहुंची। घर–घर जाकर कनेक्शनों की जांच की गई। एसी लगे घरों की बारीकी से जांच करते हुए कनेक्शन के लोड को परखा। जांच के दौरान चार लोगों के लोड बढ़ाए गए। उपभोक्ताओं के मीटर खराबी, बिल आदि की समस्याओं को मौके पर ही निस्तारित किया गया। बिजली बिल के बकाएदारों से 1.5 लाख रूपए राजस्व की वसूली गई। इस दौरान एक्सईएन ने उपभोक्ताओं से कहा कि बेहतर आपूर्ति के लिए नियमित बिजली का बिल जमा करें। बार–बार ट्रिपिंग की समस्या से बचने के लिए क्षमता के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। उन्होंने बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे जांच अभियान में सभी से सहयोग करने की अपील की।

नम आंखों के बीच हुआ श्रेया का अंतिम संस्कार, पिता ने दी मुखाग्नि

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। नई दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया था। इस दौरान तीन छात्रों की मौत हो गई थी, जिसमें अंबेडकरनगर की श्रेया भी थी। छात्रा श्रेया यादव के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह टांडा तहसील के महादेवा घाट पर किया गया। इससे पहले सोमवार सुबह छात्रा के गांव अकबरपुर तहसील के हासिमपुर बरसावां में बड़ी तादाद में लोग जुटे। लोगों ने छात्रा के साथ हुए हादसे पर सभी ने दुख जताया। इसके बाद लोग यहां से अंतिम संस्कार के लिए टांडा निकले। वहां सरयू नदी के तट पर स्थित महादेवा घाट पर एसडीएम सदर सौरभ शुक्ल की मौजूदगी में पिता राजेंद्र यादव ने मुखाग्नि दी। वहां मौजूद लोगों की आंख इस दौरान नम रही। हर कोई श्रेया के साथ अचानक हुए हादसे की चर्चा करता दिखा।

अकबरपुर तहसील क्षेत्र के हाशिमपुर बरसावां की रहने वाली श्रेया यादव ने सामान्य परिवार से होते हुए भी आईएएस बनने का सपना देखा था। वह इसे पूरे करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रही थी। इसके लिए उसने नई दिल्ली के पुराने राजेंद्रनगर स्थित राव कोचिंग सेंटर में दाखिला ले रखा था। प्रतिदिन की तरह वह 27 जुलाई को भी कोचिंग गई थी। वहां बेसमेंट में वह भी अन्य छात्र–छात्राओं के साथ मौजूद थी, जहां बारिश का पानी आने के बाद दो छात्राओं व एक छात्र की जान चली गई। दुर्भाग्य से उनमें श्रेया भी शामिल थी। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाली श्रेया ने सुल्तानपुर के केएनआई से बीएससी व एमएससी की डिग्री हासिल की थी। श्रेया तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर पर थी। बड़े भाई अभिषेक ने केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से मास कम्युनिकेशन में मास्टर डिग्री हासिल कर रखी है, वह इन दिनों घर पर ही हैं। तीसरा व छोटा भाई अवनीश स्थानीय शिवजी कुशलावती इंटर कॉलेज पलई कल्याणपुर में कक्षा सात का छात्र है। बड़े भाई अभिषेक ने रुंधे गले से कहा कि इसी वर्ष के अंत में हम तीनों भाई बहन फिर से एक साथ रहकर पढ़ाई करने वाले थे। मेरी बहन दिल्ली के माहौल व वहां की कोचिंग से संतुष्ट नहीं थी।

कठिनइया नदी के किनारे डम्प हो रहा कचरा, बढ़ रहा है प्रदूषण

संवाददाता–संतकबीरनगर। कठिनइया नदी के किनारे कचरा डम्प हो रहा है। इससे प्रदूषण बढ़ रहा है। इससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। इसके साथ ही दुर्गंध से लोगों का आना जाना मुश्किल हो रहा है। स्वच्छता अभियान का डंका पीटने वाला नगरीय प्रशासन नगरीय क्षेत्र से निकलने वाले कचरे को कठिनइया नदी के सड़क किनारे मुहाने पर डालकर उसे प्रदूषित कर रहा है। बस्ती जनपद के मुंडेरवा नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी जैसे–तैसे नगर की सफाई तो कर रहे हैं लेकिन कचरा का उचित निस्तारण नहीं हो रहा है। बस्ती जनपद और संत कबीर नगर की सीमा होने की वजह से बस्ती जनपद के मुंडेरवा नगर पंचायत सभी कचड़ा बार्डर पर सड़क किनारे फेंक रहा है। बूधा खुर्द के पास डंपिंग ग्राउंड न होने के बावजूद कठिनईया नदी के पास सड़क किनारे कचरा फेंक कर चले जाते हैं। इससे इस रास्तों से आने जाने वालों को कचरे से उठती दुर्गंध परेशान कर रही है। साथ ही आसपास के लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं कई दिनों तक जलने के दौरान पॉलिथीन, जैविक पदार्थ, लकड़ियां, सड़े–गले पदार्थ एवं उनमें मरे छोटे–छोटे जानवरों से निकलने वाली बदबू आसपास के लोगों को परेशान कर रही है। लोगों को आशंका है कि जानलेवा बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। रोजाना लगभग सैकड़ों कुंटल कचरे को यहीं डम्प किया जा रहा है। जिससे नदी का घाट भरता चला जा रहा है। गंदगी के जलधारा में मिलने के कारण नदी की धारा भी प्रदूषित हो रही है। यहां तक प्रदूषित जल के कारण लोगों ने उसका उपयोग तक करना बंद कर दिया है।

ब्लाक प्रमुख सेमरियावां के प्रतिनिधि मुमताज अहमद ने कहा कि कचरा डंपिंग को लेकर प्रदूषण विभाग नियमों की अनदेखी की जा रही है। जिससे आम लोगों व चौराहे के लोगों की परेशानी बढ़ी है। नगर पंचायत क्षेत्र में अब तक कचरा प्रबंधन का कार्य आरंभ नहीं हो सका है। कचरे को समुचित स्थल पर निपटाने की व्यवस्था करना चाहिए। जिससे रोड किनारे गंदगी न हो। बूधा के निवासी गजेंद्र पाण्डेय ने कहा कि नदी की तरफ कचरे की दुर्गंध व उड़ती हुई पन्नियां बिखरी हैं। सुबह के समय स्वच्छ हवा के लिए कुछ समय पहले टहलने के लिए जाया जाता था। लेकिन अब दुर्गंध ही दुर्गंध है। जिसके कारण बच्चे तो क्या बुजुर्गों भी अपना नाता तोड़ लिया है। स्थानीय निवासी रमेश चंद्र ने कहा कि नदी किनारे कचरा फेंके जाने से दिन भर चौराहे पर खुली दुकानों पर मक्खियां भिनभिनाया करती हैं। इससे दुकानदारों से लेकर चौराहे पर रह रहे लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। नगर पंचायत को अपने क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण केन्द्र की व्यवस्था करनी चाहिए।

बारिश न होने से परेशान हैं किसान

संवाददाता–संतकबीरनगर। नाथनगर क्षेत्र में बारिश न होने से किसान परेशान हैं। बारिश न होने से खेत में दरारें पड़ रही हैं। फसल बचाने के लिए सिंचाई करनी पड़ रही है। इससे लागत बढ़ रही है। धनघटा तहसील क्षेत्र में लगभग एक पखवाड़ा से बारिश नहीं हुई है। बारिश न होने से फसलें बर्बाद हो रही हैं। इससे क्षेत्र में धान की रोपाई करने वाले किसानों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। सबसे अधिक समस्या धान की फसल के लिए है। किसान राम सुमेर ने कहा कि बारिश न होने के कारण अब किसानों के धान की फसलें सूखने लगी हैं। खेतों में दरारें पड़ गई हैं। जिसको लेकर चिंता बढ़ रही है। रामपत ने कहा कि पहले मूसलाधार बारिश के कारण धान की रोपाई करने में परेशानी हुई अब धूप होने के कारण फसलें सूखने लगी हैं। किसान धारू सिंह ने बताया कि धान का खेत अब सूखने लगा है। जिससे फसल भी बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई है। फसल बचाने के लिए सिंचाई करनी पड़ रही है।

दस्तक अभियान में लापरवाही बरत रहे नगरीय निकाय

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में चल रहे दस्तक अभियान में नगरीय निकाय लापरवाही बरत रहे हैं। इसके चलते जिले की स्थिति दयनीय बनी है। इससे जिला पिछड़ रहा है। चंद दिनों में हालात सुधारने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के साथ निजी संस्था भी गांव में जाकर मानीटरिंग कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर कार्य पंचायती राज विभाग का देखा जाता है। वहीं शहरी क्षेत्र में नगरपालिका और नगर पंचायत का। नगरीय निकाय में तीन प्रमुख कार्य नगरपालिका के जिम्मे हैं। इसमें नालियों की सफाई उसके बाद नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव और अंत में फागिंग किया जाना है। शहरी क्षेत्रों में सुबह नाली साफ की जा रही है तो शाम तक कूड़ा नहीं उठ रहा है। फागिंग की स्थिति भी जिले में लचर है। प्रदेश में औसतन फागिंग 68 प्रतिशत हुई है, जिले में फागिंग का प्रतिशत मात्र 31 प्रतिशत है।

कांवड़ यात्रा के लिए डायवर्ट किए वाहन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में कांवड़ यात्रा को लेकर मगहर दुर्गा मंदिर के पास से वाहनों का हाईवे पर आवागमन रोक दिया है। बड़े वाहन या तो खड़े हो गए हैं या फिर बदले रूट से जा रहे हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर सतर्क प्रशासन ने गोरखपुर–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित दुर्गा मंदिर मगहर, सोनी होटल के पास, मेंहदावल बाईपास और टेमा रहमत में बैरियर लगाकर आवागमन को रोक दिया। इन सभी प्वाइंटों पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। लखनऊ जाने वाले वाहनों को मगहर दुर्गा मंदिर के पास से ही घघसरा–बखिरा–नंदौर–बांसी–डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोंडा होकर भेजा जा रहा है। जो वाहन खलीलाबाद आ जा रहे हैं उन्हें मेंहदावल बाईपास से बघौली–बखिरा–नंदौर–बांसी भेजा जा रहा है। इसी तरह टेमा के पास से बड़े वाहनों को सेमरियावां होकर भेजा जा रहा है।

कैसे होगी पानी की निकासी जब पट गया है नाला

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में बारिश हुई तो कई मोहल्ले जल भराव से प्रभावित होंगे। इसका कारण हो शहर के प्रमुख नाले का झाड़ झंखाड़ से पट जाना। अभियान के दौरान भी सफाई नहीं हुई। नगरपालिका का दावा है कि बारिश शुरू होने से पहले शहर के प्रमुख नालों की सफाई हो चुकी थी। वहीं रेलवे लाइन के दक्षिण की ओर से एक नाला निकला हुआ है। यह नाला मुख्य रूप से औद्योगिक नगर मोहल्ले के लोगों से निकलने वाले घर के पानी को आमी नदी तक पहुंचाने का कार्य करता है। पिछले डेढ़ माह से इस नाले की सफाई नहीं हुई है। इसकी वजह से नाले में मोहल्ले के लोगों से निकलने वाले कचरे के साथ पालीथीन व पत्तियां जाम हो गई हैं। बस किसी तरह से पानी निकल रहा है। भारी बारिश हुई तो समूचा नाला जाम हो जाएगा। नगरपालिका चेयरमैन जगत जायसवाल ने बताया कि नियमित अंतराल पर नाला की सफाई होती रहती है। जल्द ही नाले की सफाई की जाएगी। नगरपालिका की प्राथमिकता यही है कि बारिश में जल निकासी की समस्या न होने पाए।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

सिविल अपील सं0 11/2024

अदालत– श्रीमान जनपद न्यायाधीश बस्ती जिला–बस्ती

रामगरीब (मृतक) आदि

बनाम

ध्रुवराज (मृतक) आदि

1/1 अशोक कुमार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र रामराज 3/1 रामदरश उम्र 19 वर्ष 3/2 रामवीर उम्र लगभग 37 साल पुत्रगण रामभुझारत 3/3 श्रीमती लुटना देवी उम्र 90 वर्ष विधवा रामभुझारत 3/4 श्रीमती प्रभावती देवी उम्र 55 साल पत्नी रामशंकर निवासीगण ग्राम शंकरपुर तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3/5 श्रीमती चन्द्रप्रभा देवी उम्र लगभग 60 साल पत्नी संतराम निवासी ग्राम रौता तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3/6 श्रीमती कमलावती देवी उम्र लगभग 50 साल पत्नी योगेन्द्र निवासी ग्राम सरैया तप्पा कलवारी परगना नगर परूव तहसील व जिला–बस्ती 3/7 श्रीमती किशलावती देवी उम्र 22 वर्ष पुत्री रामभुझारत निवासी ग्राम चननीपुर तप्पा बड़गो पगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4/2 नितिन उर्फ निटिन कुमार उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र स्व0 भगवन्त 4/3 मानिक चौधरी उम्र लगभग 48 साल पुत्र स्व0 भगवन्त निवासी मौजा बहोरिया कला तप्पा बड़गो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानून आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

बस की ठोकर लगने से बाइक सवार की मौत, दो घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के बेलहर चौराहे पर सोमवार को सुबह एक स्कूल की बस बैक करते समय बाइक सवार चपेट में आ गए। बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को सीएचसी मेंहदावल भर्ती कराया। गाड़ी व चालक को हिरासत में ले लिया। जंगल बेलहर निवासी अर्जुन (22) पुत्र घमालू अपने दोस्त सोनू (22) व मिथुन (13) के साथ बाइक से राजघाट पर मोहकम दास मंदिर पर जल चढ़ाने गया था। जल चढ़ाकर तीनों बाइक सवार युवक घर जा रहे थे। इधर एक प्राइवेट स्कूल की बस बच्चों को उठाने के लिए बेलहर चौराहे पर पर जा रही थी। बच्चों को उठाकर स्कूल जाने के लिए गाड़ी चालक गाड़ी को बैक कर रहा था, उसी दौरान बाइक सवार बस की चपेट में आ गए। जिससे बाइक सवार अर्जुन पुत्र घमालू की मौके पर मौत हो गई। जब कि सोनू व मिथुन गम्भीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गाड़ी व गाड़ी चालक को हिरासत में लिया।

सावन के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक के लिए उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में सावन मास के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक के साथ पूजन–अर्चन किया। हर–हर महादेव के जयकारे से जयकारे से मंदिर गूंजते रहे। तामेश्वरनाथ मंदिर में देर रात से ही पूजन अभिषेक शुरू हो गया। वहीं जिले के अन्य शिव मंदिरों में भी भोर से अभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। खलीलाबाद के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लोगों की भीड़ लगी रही।

तामेश्वरनाथ मंदिर पर रविवार की देर शाम से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आने लगी। बिड़हरघाट से सरयू का जल लेकर लोग पहुंचने लगे। मध्य रात्रि में तामेश्वरनाथ सरोवर में स्नान करने के बाद जलाभिषेक के लिए कतार में लग गए। श्रद्धालुओं के लगाए जा रहे हर हर महादेव, बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। देर रात लगभग दो बजे पूजन–अर्चन के बाद अभिषेक के लिए मंदिर के द्वार खोल दिए गए। उसके बाद श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। भोर होने के साथ ही भीड़ बढ़ती गई। अभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ का सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। वहीं जिले के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। खलीलाबाद के जूनियर हाईस्कूल के पास शिवमंदिर, हाइडिल कालोनी, तितौवा शिव मंदिर, मड़या काली मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मेंहदावल में कुबेरनाथ, बेलहर के दानी नाथ, बखिरा के भंगेश्वर महादेव, पौली स्थित बाबा कंकड़ेश्वर नाथ, मुहम्मदपुर के बाबा कुबेरनाथ, हैंसर के बैजूनाथ, परसहर रामेश्वरनाथ, पचरा में महादेव, मड़पौना में झारखण्डेश्वर नाथ समेत अन्य मंदिरों में जलाभिषेक किया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नम्बर मुकदमा – 947/2020

अदालत– श्रीमान तहसीलदार बांसी मुकाम बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

विमलावती

बनाम

धूपा

ग्राम खुटहना तप्पा कुदारन तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

1. राम मिलन पुत्र बिहारी साकिन गोपालपुर तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 2. सन्तराम पाण्डेय पुत्र बल्देव पाण्डेय साकिन खुटहना तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 06–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 201/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती

महेन्द्र प्रसाद आदि

बनाम

पुनीता देवी आदि

1. पुनीता देवी पुत्री स्व0 शैलेन्द्र कुमार साकिन कुरियार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम पत्नी कृष्णचन्द्र मौजा भिटिया भगौसा तप्पा उजियार परगना मगहर पश्चिम तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 2. कु0 आस्था नावालिग पुत्री स्व0 शैलेन्द्र कुमार संरक्षक महेन्द्र कुमार बड़े पिता हकीकी साकिन कुरियार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिक मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सावन माह के दूसरे सोमवार को शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सोमवार की अलसुबह से श्रद्धालुओं ने शिवालयों पर पहुंच देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक व दर्शन पूजन कर सुख–समृद्धि की कामना की। शहर के श्रीसिंहेश्वरी मंदिर, पुराना नौगढ़ शिवमंदिर, बाबा पल्टनदास मंदिर, इटवा के कटेश्वरनाथ मंदिर, भारतभारी शिव मंदिर, मिठवल के बाबा मटकेश्वरनाथ आदि मंदिरों में भगवान शिव के जलाभिषेक को भीड़ लगी रही।

माइनर और वोकेशनल में 33 प्रतिशत पर ही होंगे पास

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों के स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के करीब चार हजार विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिल सकती है। माइनर, वोकेशनल और को–करिकूलर में पास होने के लिए प्रतिशत 40 से घटाकर 33 किया जा सकता है। डीडीयू प्रशासन अगले महीने प्रस्तावित परीक्षा समिति में इसे रखेगा। परीक्षा समिति ने मुहर लगा दी तो करीब चार हजार विद्यार्थी इसी वर्ष अपनी डिग्री पा सकेंगे। डीडीयू में वर्ष 2021–22 से ही एनईपी लागू हो गया था। एनईपी के तहत स्नातक का पहला और परास्नातक का दूसरा बैच इस सत्र में निकला है। इसमें यूजी–पीजी के करीब छह हजार विद्यार्थी माइनर, वोकेशनल और को–करिकूलर जैसे विषयों में फेल हो गए हैं। ये वे विद्यार्थी हैं जो अपने मूल विषयों में पास हैं। इसके बाद भी माइनर, वोकेशनल या को–करिकूलर में फेल होने के कारण उनकी डिग्री अधर में लटक गई है। विद्यार्थियों को मूल विषयों में पास होने के लिए 33 प्रतिशत ही अंक चाहिए लेकिन माइनर, वोकेशनल और को–करिकूलर जैसे अतिरिक्त कोर्स में यह 40 प्रतिशत है। डीडीयू प्रशासन द्वारा एकत्रित किए गए डाटा के मुताबिक जो छह हजार छात्र–छात्राएं इन माइनर, वोकेशनल या को–करिकूलर में फेल हैं, उनमें चार हजार ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्हें 33 से 39 अंक तक मिले हैं। यानी 33 अंक पर पास किया जाए तो इसी वर्ष उन्हें डिग्री मिल जाएगी। छात्र हित में डीडीयू प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि उनका एक साल बर्बाद न हो। ये विषय अतिरिक्त गतिविधियों के हैं न कि पाठ्यक्रम के। अब 40 से घटाकर 33 प्रतिशत किए जाने से एनईपी और यूजीसी की गाइडलाइंस के विरुद्ध भी नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक स्नातक अंतिम वर्ष में अलग–अलग वजहों से माइनर, वोकेशनल और को–करिकूलर जैसे विषयों में फेल होने वाले छात्रों की कैरीओवर परीक्षा कराई जा सकती है। इसे लेकर डीडीयू प्रशासन विचार कर रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। डीडीयू की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने बताया कि माइनर, वोकेशनल और को–करिकूलर में यूजी–पीजी अंतिम वर्ष के करीब छह हजार छात्र फेल हैं, जबकि वे मूल विषयों में पास हैं। पास होने का प्रतिशत 40 से घटाकर 33 कर दिया जाए तो करीब चार हजार विद्यार्थी पास हो सकते हैं। इसे देखते हुए इसे परीक्षा समिति में रखने का विचार किया जा रहा है। अंतिम निर्णय परीक्षा समिति का होगा।

वाहन नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दुबौलिया थाने पर दिनांक **08.08.2024** को दिन में **11.00** बजे से मोटर साईकिल/वाहनों की नीलामी करायी जायेगी। उक्त नीलामी की तिथि पर थाना दुबौलिया में प्रतिभाग कर नीलामी में हिस्सा लें। उच्च बोलीदाता के पक्ष में नियमानुसार नीलामी स्वीकृत की जायेगी।

थानाध्यक्ष

दुबौलिया–जनपद बस्ती।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com